

कालका से कलेसर तक के पर्वतीय क्षेत्र को तीरथाटन के रूप में कथिा जाएगा वकिसति

चर्चा में क्यों?

1 जनवरी, 2023 को हरयाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने प्रदेशवासियों को नववर्ष का तोहफा देते हुए बताया कि हिमाचल प्रदेश में पड़ने वाले माता मंत्रादेवी मंदिर से आदबिद्री तक रोप-वे बनाने के साथ-साथ शिवालिक हिल्स के कालका से कलेसर तक के पर्वतीय क्षेत्र को तीरथाटन के रूप में वकिसति कथिा जाएगा ।

प्रमुख बडिु

- मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बताया कि प्रदेश में शिवालिक हिल्स में पंचकुला के कालका से यमुनानगर के कलेसर तक के पर्वतीय क्षेत्र को तीरथाटन के रूप में वकिसति करने के अंतर्गत छोटा तरिलोकपुर, आदबिद्री, लोहगढ़, कपालमोचन, कलेसर इत्यादि शामिल हैं । इसके लथि लोक नरिमाण (भवन एवं सड़कें) वभिाग द्वारा 10 मीटर चौड़ा सड़क मार्ग बनाने की संभावना तलाशी जाएगी ।
- इसके अलावा, इस क्षेत्र में साहसकि खेल गतविधियों जैसे टरैकिंग शुरु करने की भी योजना है । सरकार के इन प्रयासों से प्रदेश में जहाँ पर्यटन को बढ़ावा मल्लिगा, वहीं स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी मल्लिगे ।
- उन्होंने बाबा बंदा सहि बहादुर द्वारा स्थापति सखि राज की पहली राजधानी लोहगढ़, यमुनानगर में बाबा बंदा सहि बहादुर के शौर्य एवं बलदिान की गाथा को पुनर्जीवति करने के लथि स्मारक की आधारशाला भी रखी । लोहगढ़ को एक मनी शहर के रूप में वकिसति कथिा जाएगा ।
- उल्लेखनीय है कि बाबा बंदा सहि बहादुर ने सोनीपत ज़लि के खंडा शेरी गाँव से युवाओं को एकत्र कर सेना गठन की शुरुआत की थी और पूरे हरयाणा में युवाओं के साथ दौरा कर एक सेना खड़ी की और लोहगढ़ को सखि राज की पहली राजधानी बनाया । बाबा बंदा सहि बहादुर की राजधानी लोहगढ़ का क्षेत्र आधा हरयाणा और आधा हिमाचल में पड़ता है ।